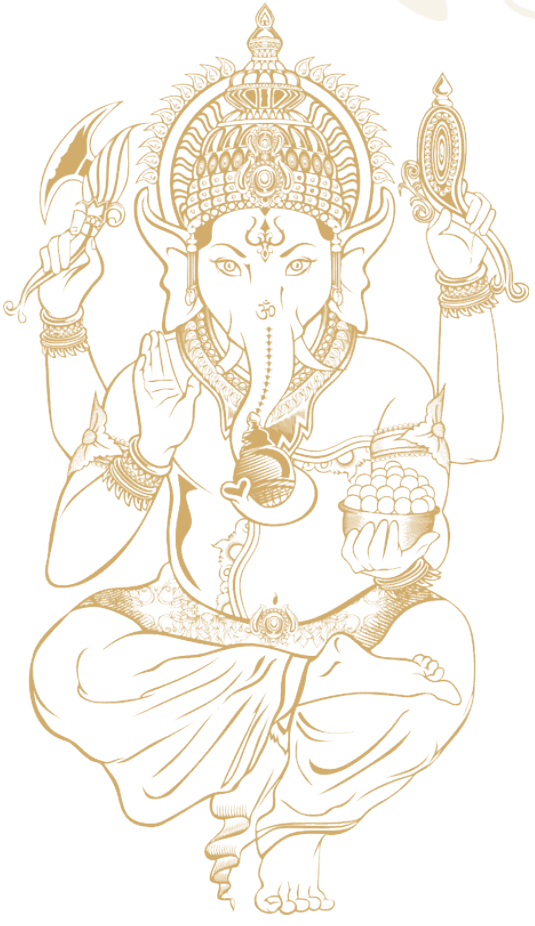

Bhan singh

01 Apr 1997

06:30 AM

Dausa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121592206

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/04/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	00:35:12 घटी
स्थान	**Dausa**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:51:00 उत्तर
रेखांश	76:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:05:24 घंटे
वेलान्तर	-00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	18:43:08 घंटे
सूर्योदय	06:15:55 घंटे
सूर्यास्त	18:41:33 घंटे
दिनमान	12:25:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:31:40 मीन
लग्न के अंश	21:08:48 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	21:08:48	494:37:50	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			मीन	17:31:40	00:59:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	20:23:53	13:52:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल	व		सिंह	27:28:56	00:19:39	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मेष	05:25:39	01:26:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	21:12:00	00:10:43	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	17:08:14	01:14:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	16:34:12	00:07:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु			कन्या	04:50:24	00:00:29	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:50:24	00:00:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:07:55	00:02:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:52:40	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:37:49	00:00:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	16:05:31	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:06

लग्न-चलित

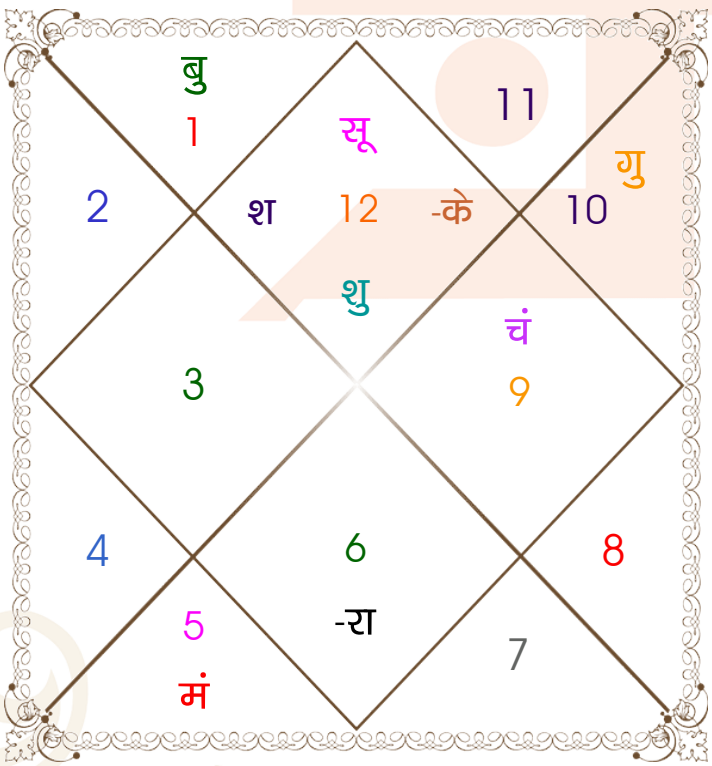

चन्द्र कुंडली

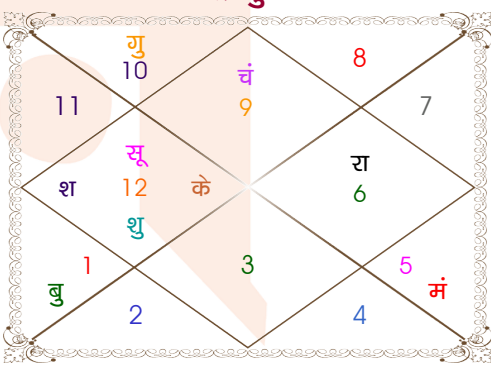

नवमांश कुंडली

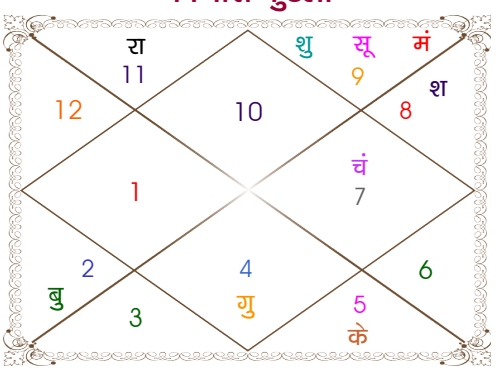

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 4 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/04/1997		26/08/2006		26/08/2012		26/08/2022		26/08/2029	
26/08/2006		26/08/2012		26/08/2022		26/08/2029		26/08/2047	
	00/00/0000	सूर्य	14/12/2006	चंद्र	26/06/2013	मंगल	22/01/2023	राहु	08/05/2032
	00/00/0000	चंद्र	14/06/2007	मंगल	25/01/2014	राहु	10/02/2024	गुरु	02/10/2034
	00/00/0000	मंगल	20/10/2007	राहु	27/07/2015	गुरु	16/01/2025	शनि	08/08/2037
	00/00/0000	राहु	13/09/2008	गुरु	25/11/2016	शनि	25/02/2026	बुध	25/02/2040
	01/04/1997	गुरु	02/07/2009	शनि	26/06/2018	बुध	22/02/2027	केतु	15/03/2041
गुरु	27/06/1999	शनि	14/06/2010	बुध	26/11/2019	केतु	21/07/2027	शुक्र	14/03/2044
शनि	26/08/2002	बुध	21/04/2011	केतु	26/06/2020	शुक्र	19/09/2028	सूर्य	06/02/2045
बुध	26/06/2005	केतु	26/08/2011	शुक्र	25/02/2022	सूर्य	25/01/2029	चंद्र	08/08/2046
केतु	26/08/2006	शुक्र	26/08/2012	सूर्य	26/08/2022	चंद्र	26/08/2029	मंगल	26/08/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/08/2047		26/08/2063		26/08/2082		26/08/2099		27/08/2106	
26/08/2063		26/08/2082		26/08/2099		27/08/2106		00/00/0000	
गुरु	14/10/2049	शनि	29/08/2066	बुध	22/01/2085	केतु	23/01/2100	शुक्र	27/12/2109
शनि	26/04/2052	बुध	08/05/2069	केतु	19/01/2086	शुक्र	25/03/2101	सूर्य	27/12/2110
बुध	02/08/2054	केतु	17/06/2070	शुक्र	19/11/2088	सूर्य	30/07/2101	चंद्र	27/08/2112
केतु	09/07/2055	शुक्र	17/08/2073	सूर्य	25/09/2089	चंद्र	01/03/2102	मंगल	27/10/2113
शुक्र	09/03/2058	सूर्य	30/07/2074	चंद्र	25/02/2091	मंगल	28/07/2102	राहु	27/10/2116
सूर्य	26/12/2058	चंद्र	28/02/2076	मंगल	22/02/2092	राहु	15/08/2103	गुरु	02/04/2117
चंद्र	26/04/2060	मंगल	08/04/2077	राहु	10/09/2094	गुरु	21/07/2104		00/00/0000
मंगल	02/04/2061	राहु	13/02/2080	गुरु	16/12/2096	शनि	30/08/2105		00/00/0000
राहु	26/08/2063	गुरु	26/08/2082	शनि	26/08/2099	बुध	27/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।